

**Post Graduate Department of Punjabi  
University of Jammu**

Cordially invites you to

**'RUBROO'**

(An interaction Cum Felicitation Programme)

&

**BOOK RELEASE FUNCTION**

(PUNJABI NOVEL: PAAP DI PAND)

of

**S. BHUPINDER SINGH RAINA**

(An Eminent Punjabi Writer of JKUT)

**PROF. SUCHETA PATHANIA**

(Dean Faculty of Arts & HEAD Department of English)

Will be

**Chief Guest**

At

Seminar Hall

Department of Punjabi

On August, 10<sup>th</sup> 2022 at 2:30 PM onward.



*Prof. Sucheta Pathania along with others releasing novel by Bhupinder Singh Raina at Jammu on Wednesday.*

## Punjabi novel 'Paap Di Pand' released

*Excelsior Correspondent*

JAMMU, Aug 10: A Punjabi novel 'Paap Di Pand' written by well known Punjabi novelist of J&K, Bhupinder Singh Raina was released here today during seminar on the life & contribution of Bhupinder Singh Raina at Punjabi Department of University of Jammu (JU).

Prof Sucheta Pathania, Dean, Faculty of English Department at JU was chief guest whereas S.S Bijral, former IGP was guest of honour and well known senior Punjabi writer, Devinder Singh was the special guest on this occasion.

Dr. Baljit Kour, HoD Punjabi Department, JU shared the dais. The programme was attended by

many well known writers of different languages, intellectuals, research scholars and the post graduate students of Punjabi Department of JU.

Dr. Baljit Kour gave welcome address and threw light on the life and contribution of Bhupinder Singh Raina.

Two papers were readout by Balwinder Kour and Ranvir Singh (research scholars).

The chief guest appreciated the concerns of the issues of women that have been touched by the writer in his novel 'Paap Di Pand'.

S.S Bijral, Dr. Arvinder Singh Amn, Additional Secretary JKAACL, Bhupinder Singh Raina's daughter Rupindra Raj and others also spoke on this occasion.

Dr. Pritam Singh conducted the proceedings of the programme and Dr. Harjinder Singh extended the vote of thanks.

**Police advises  
netizens to install  
CCTVs**



# रैना के पंजाबी उपन्यास 'पाप दी पंड' का विमोचन

जागरण संवाददाता, जम्मू : जम्मू कश्मीर के पंजाबी उपन्यासकार भूपिंदर सिंह रैना के पंजाबी उपन्यास 'पाप दी पंड' का विमोचन जम्मू यूनिवर्सिटी के पंजाबी विभाग के सेमीनार हाल में किया गया। उनके इस उपन्यास का विमोचन भूपिंदर सिंह रैना के जीवन और योगदान पर संगोष्ठी के दौरान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जम्मू विश्वविद्यालय के पंजाबी विभाग द्वारा किया गया था।



जम्मू विश्वविद्यालय के सेमीनार हाल में भूपिंदर सिंह रैना के पंजाबी उपन्यास पाप दी पंड का विमोचन करते साहित्यकार • जलहरा

प्रो. सुचेता पठानिया डीन अंग्रेजी विभाग मुख्य अतिथि थीं। इस मौके पर पूर्व आइजीपी एसएस बिजराल, जाने-माने वरिष्ठ पंजाबी लेखक देविंदर सिंह, डा. बलजीत कौर एचओडी पंजाबी विभाग, जेयू, जाने-माने लेखक, बुद्धिजीवी, शोधार्थी और जेयू के पंजाबी विभाग के स्नातकोत्तर छात्र मौजूद रहे। डा. बलजीत कौर ने भूपिंदर सिंह रैना के जीवन और योगदान पर

प्रकाश डाला। प्रो. सुचेता पठानिया ने कहा कि उपन्यास पाप दी पंड में महिलाओं के मुद्दों को उठाया गया है। दुनिया भर में पुरुष और महिला के बीच संबंधों की पेचीदगियों के सूक्ष्म विवरणों को भी उठाया गया है। एसएस बिजराल ने अपने संबोधन में ब्रह्मांड में नारीत्व के महत्व पर गुरबानी से संदर्भ दिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने हमेशा

भूपिंदर सिंह रैना के जीवन और योगदान पर जम्मू यूनिवर्सिटी के पंजाबी विभाग के सेमीनार हाल में आयोजित संगोष्ठी में हुआ विमोचन

युवाओं को ज्ञानियों के शास्त्रों में अंकित मूल्यों को जानने के लिए प्रेरित करना पसंद किया है। जम्मू-कश्मीर कला संस्कृति एवं भाषा

अकादमी के अतिरिक्त सचिव डा. अरविन्दर सिंह अमन ने पुरुष और स्त्री के संबंधों में अपनी बात रखी। भूपिंदर सिंह रैना ने अपने साहित्यिक सफर के बारे में बात की। इस मौके पर उनकी बेटी रूपिंदर राज ने भी बात की। कार्यक्रम का संचालन डा. प्रीतम सिंह ने किया। डा. हरजिंदर सिंह ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया।